भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001
फोन नं. : 23005700; **फैक्स** : 23005787

दिनांक : 03 मार्च 2014

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य

यह एक पहेलीनुमा सच्चाई है कि यूपीए सरकार के प्रत्येक बड़े घोटाले का पता भारत के बाहर ही चला और इसके बाद यूपीए सरकार को देश में जांच कराने का आदेश देने के लिए बाध्य होना पड़ा। इस श्रृंखला में नवीनतम "रोल्स–रॉयस विमान इंजन घोटाला" है। श्री सुधीर चौधरी और उनके पुत्र श्री भानु को ब्रिटिश सीरियस फ्रॉड ऑफिस ने विभिन्न सौदों के लिए रोल्स–रॉयस के मध्यस्थ के रुप में काम करने के आरोपों में ब्रिटेन में गिरफ्तार किया। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को सीबीआई जांच शुरु करानी पड़ गई, क्योंकि भारतीय रक्षा खरीद व्यवस्था में बिचौलिए अथवा सलाहकारों/परामर्शदाताओं की इजाजत नहीं है।

इससे पहले वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले का इटैलियन अधिकारियों ने पीछा किया और दो बिचौलियों श्री गेरोसा और श्री हसचेक को गिरफ्तार कर लिया। इटैलियन अदालतों ने सुनवाई शुरु की और वहां अदालतों के समक्ष जो रहस्योद्घाटन हुए वह चौंका देने वाले थे। दस्तावेजों के जरिये पता लगा कि अधिकारियों और दो राजनीतिज्ञों को रिश्वत दी गई जिनके लिए संक्षेप में "एफएएम" और "एपी" शब्दों का इस्तेमाल किया गया और इन्हें 200 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया। भारत सरकार को इसके बाद इस सौदे को रद्द करना पड़ा।

टेट्रा ट्रक घोटाला, नौसेना वार रुम लीक घोटाला भी बाहर की एजेंसियों ने उजागर किया। बोफोर्स घोटाला स्वीडन के एक रेडियो स्टेशन के कारण सामने आया। बहुत से अन्य घोटाले भारत सरकार के कारण उजागर नहीं हुए बल्कि कुछ लोगों की सतर्कता और अनेक अन्य देशों में अधिक पारदर्शी व्यवस्था के कारण सामने आए।

कांग्रेस शासन ने हमेशा से शुरु में घोटालों को छिपाने की कोशिश की है। बाद में घोटाले होने से इंकार किया है। उसने जांच तभी कराई है जब परिस्थितियों के कारण वह फंस गई है। जांच में प्रगति तभी हुई है जब उस पर अदालतों ने निगरानी रखी है वर्ना उसने हमेशा इन पर पर्दा डालने की कोशिश की है।

(इंजी अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव